वार्तालाप नं.– 523 बैंगलोर+हैदराबाद–2, ता.27.02.08+29.02.08
Disc.CD No.523, dated 27.02.08+29.02.08 at Bangalore+Hyderabad-2
Part-1

समयः 05.21–07.49
जिज्ञासुः– बाबा, लॉकेट में एक पोइंट आया कि धर्मराज ने दिल्ली को...
बाबाः– परिस्तान बनाया।
जिज्ञासुः– हाँ, माना कौनसी आत्मा बनाती है?
बाबाः– हाँ, स्थापना करने वाला कौन है? किसके द्वारा स्थापना गाई हुई है?
सभी ने कहाः– ब्रह्मा द्वारा।
बाबाः– ब्रह्मा द्वारा स्थापना। अब ब्रह्मा क्या बनता है? ब्रह्मा सो विष्णु बनता है। तो विष्णु के लिए जो राजधानी स्थापन होगी तब ही तो स्थापना (पालना) करेगा। विष्णु के लिए पालना चाहिए। पालना करने के लिए राजधानी चाहिए, कि ऐसे ही पालना करेगा? पालना करने के लिए राजधानी चाहिए। और शास्त्रों में लिखा हुआ है धर्मराज ने क्या स्थापन किया? परिस्तान स्थापन किया। परिस्थान नाम क्यों दिया?

Time: 05.21-07.49
Student: Baba, there is a point in locket (a book) that Dharmaraj transformed Delhi into…
Baba: *Paristaan* (the land of fairies).
Student: Yes. Which soul does this?
Baba: Yes, who establishes? Establishment through whom is famous?
Everyone said - Through Brahma.
Baba: Establishment through Brahma. Well, what does Brahma become? Brahma becomes Vishnu. So,when the capital is established only then will Vishnu do the establishment (sustenance). [The task of] sustaining is required for Vishnu. The capital is required for sustenance. Or will he sustain without it? A capital is required for sustaining. And it has been written in the scriptures: What did Dharmaraj establish? He established *Paristaan*. Why was it named *Paristaan*?

जिज्ञासुः– ज्ञान के पंखों से...
बाबाः– हाँ, ज्ञान और योग से जो भरे पूरे हैं, ज्ञान के पंखों से उड़ते हैं और योग के पंखों से उड़ते हैं, ऐसा परिस्तान स्थापन किया। बाकी ऐसे नहीं है कि स्वर्ग के पहले जन्म में वहाँ परिस्तान होगा। दिल्ली के लिए गाया हुआ है। क्या? दिल्ली कब्रस्तान और दिल्ली परिस्तान। जो धर्म की धारणा करने वाला है वो ही धर्मराज है। और जो धर्म का राजा है वो ही परिस्तान स्थापन करने वाला है। इसलिए दिल्ली के बिरला मन्दिर में लिखा हुआ है कि धर्मराज ने परिस्तान स्थापन किया।

Student: Through the wings of knowledge…
Baba: Yes, those who are full of knowledge and yoga; those who fly with the wings of knowledge and yoga… he established such a *Paristaan* . Nonetheless, it is not that there will be the land of fairies in the first birth of heaven. It is famous about Delhi. What? Delhi becomes a graveyard (*kabristaan*) and Delhi becomes the land fairies (*Paristaan*). The one who assimilates [precepts of] *dharma* (religion) is Dharmaraj. And the one who is a king of *dharma* himself establishes *Paristaan*. This is why it has been written in the Birla temple of Delhi that Dharmaraj established *Paristaan*.

समयः 07.53–14.28

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः– बाबा, 2018 में संगमयुगी कृष्ण की प्रत्यक्षता सारे संसार के सामने होती है। उसी समय से वैकुण्ठ या स्वर्णिम संगमयुग शुरु होता है क्या?
बाबाः– जो स्वर्णिम संगमयुग है वो थोड़ी आत्माओं को अनुभव में आयेगा 2018 में, या सभी को आवेगा?
जिज्ञासुः– थोड़े लोगों को।
बाबाः– वो तो दुनियाँ छोटी होगी या बहुत बड़ी दुनियाँ होगी? अभी ब्राह्मणों की दुनियाँ बड़ी कहें या छोटी कहें? (सभीः– छोटी है।) छोटी है? (सभीः– अभी बड़ी है।) अभी ब्राह्मणों की दुनियाँ में हर धर्म की बीजरुप आत्मायें हैं। एडवान्स में भी हर धर्म के बीज हैं। तो जो असल सूर्यवंशी बीज होंगे वो पहले–2 स्वर्णिम संगमयुग का अनुभव करेंगे? या सब धर्म के बीज एक साथ अनुभव करेंगे? और–2 धर्मों के जो बीज हैं उनका जब तक कड़ा छिल्का उतरेगा नहीं तब तक वो स्वर्ग के स्वर्णिम सुखों का अनुभव नहीं कर सकेंगे। इसलिए ऐसे नहीं है कि 2018 में सारी दुनियाँ सुख का अनुभव, सुखी दुनियाँ का अनुभव करने लगेगी और विश्वास कर लेगी। हाँ, ब्राह्मणों की दुनियाँ में जो पक्के ब्राह्मण होंगे वो अनुभव करेंगे। और दुनियाँ की तो फिर संख्या बढ़ेगी या घटेगी? स्वर्णिम संसार की संख्या जो नई दुनियाँ होगी उसकी संख्या बढ़ेगी ही, घटेगी तो नहीं। घटने का सवाल ही नहीं।

Time: 07.53-14.28
Student: Baba, the revelation of the Confluence Age Krishna takes place in front of the entire world in 2018; does the *vaikunth* (heaven) or Golden Confluence Age start from that very time ?
Baba: Will the Golden Confluence Age be experienced by a few souls in 2018 or will everyone experience?
Student: A few people.
Baba: Will that world be small or very big? Will the world of Brahmins be called big or small now? (Everyone said: It is small.) Is it small? (Everyone said: It is big now.) Now there are seed form souls of every religion in the Brahmin world . Even in the advance [party] there are seeds of every religion. So, will the true *Suryavanshi*[1] seeds experience the Golden Confluence Age first or will the seeds of all the religions experience it simultaneously? Unless the thick husk of the seeds of other religions is removed they will not be able to experience the golden happinessof heaven. This is why it is not that the entire world will start experiencing happiness or happy world and believe it. Yes, those who are firm Brahmins in the Brahmin world will experience it. And will the population of the world increase or decrease? The population of the golden world, the new world will certainly increase; it will not decrease. There is no question of decreasing.

जिज्ञासुः– इसका कन्टिन्यूएशन है बाबा...
बाबाः– हाँ जी।
जिज्ञासुः– उसी समय से शिवबाबा और संगमयुगी नारायण भी प्रत्यक्ष होता है क्या सारे संसार के सामने?
बाबाः– जिसे शिवबाबा कहा जाता है वो बाबा साकार और निराकार के मेल को कहा जाता है। जिसको बाबा कहा जाता है वो साकार स्वरुप के चित्र बनते हैं। चित्र साकार के बनते हैं, या आकारी निराकारी के बनते हैं? साकार के बनते हैं। सब धर्मों में उस स्वरुप की मान्यता है उस साकार की। नाम क्या है? एडम, आदम, आदिदेव, आदिनाथ वो ही शिवबाबा है। उसके लिए बोला है आदम के लिए बोला है दूसरे धर्म वाले भी मानते हैं वो खुदा नहीं है। आदम को खुदा मत कहो आदम खुदा नहीं है। क्या? वो आदम खुद सबकुछ करने वाला

[1] Those who belong to the Sun dynasty

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

नहीं है। अगर खुद ही सबकुछ करने वाला होता तो 63 जन्मों में भी कर लिया होता। कर लिया कुछ? कुछ नहीं किया। लेकिन जब उसमें खुदा आकर के प्रवेश करता है तो वो खुद ही सबकुछ करता है। और बताता भी है बच्चों को, कोई बच्चे होते हैं, बहुत सेवा करते हैं, तो अहंकार आ जाता है हमने बहुत सेवा की। ये सेवा हमने की। लेकिन वो खुदा बताता है कि तमोप्रधान आत्मायें सेवा नहीं कर सकतीं। तमोप्रधान आत्माओं को तो अपनी तमोप्रधानता की ही रग लगी रहती है। वो क्या सेवा करेंगी? वो सेवा करेंगी कि डिस्सर्विस करेंगी? डिस्सर्विस ही करती हैं। हाँ, हिम्मत कर सकते हैं। सेवा करने की हिम्मत कर सकते हैं। तो जो जितनी हिम्मत करते हैं उन हिम्मत वाले बच्चों को बाप मदद दे देते हैं। तो बापदादा प्रवेश करके सेवा कराते हैं। बाकी तमोप्रधान आत्मायें सेवा नहीं करतीं।

Student: [There is a question] in continuation to it, Baba...
Baba: Yes.
Student: Is Shivbaba as well as the the Confluence Age Narayan revealed in front of the world from that very time?
Baba: The one who is called Shivbaba; the combination of the corporeal one and the incorporeal One is called Baba. The one who is called Baba, pictures of that corporeal form are prepared. Are the pictures of the corporeal one prepared or are the pictures of the subtle and incorporeal One prepared? Those of the corporeal one are prepared. That corporeal form is believed by all the religions. What is the name? Adam, Aadam, Aadidev, Aadinath. He himself is Shivbaba. It has been said for him, it has been said for Aadam; people of other religions also believe that he is not Khuda (God). Do not call Aadam as *Khuda*; Aadam is not Khuda. What? That Aadam does not do everything himself (*khud*). If it is he who does everything, then he would have done it in the 63 births as well. Did he do anything? He did not do anything. But when Khuda enters him then He himself does everything. And He also tells the children; some children do a lot of service; so they feel egotistic that they have done a lot of service. They did this service. But that God tells [them] that the *tamopradhaan* souls cannot do service. *Tamopradhaan* souls are used to their nature of impurity itself. What service will they do? Will they do service or *disservice*? They do just *disservice*. Yes, they can show courage. They can show courage of doing service. So, the more courage someone shows the more help the Father gives to such courageous children. So, Bapdada enters and enables someone to do service. As for the rest, the *tamopradhaan* souls don't do service.

तो उन आत्माओं के बीच में बड़ा पार्ट बजाने वाली आत्मा आदम की है। जो आदमियों का बाप है, मनुष्य सृष्टि का पिता है उसके लिए बोला है मुरली में नेक्स्ट् टू गॉड ईज़ प्रजापिता, नेक्स्ट् टू गॉड ईज़ नारायण, नेक्स्ट् टू गॉड ईज़ शंकर, नेक्स्ट् टू गॉड ईज़ कृष्ण। इसलिए 2018 में वो बाबा इस साकार सृष्टि पर प्रसिद्ध हो जावेगा। सबसे पहले ब्राह्मणों की दुनियाँ में प्रसिद्ध होगा या बाहर की दुनियाँ में? और ब्राह्मणों की दुनियाँ में भी जो एडवान्स नालेज का ग्रुप है उसमें प्रत्यक्ष होगा या बेसिक ब्राह्मणों की दुनियाँ में प्रत्यक्ष होगा? एड़वान्स वालों की दुनियाँ में पहले प्रत्यक्ष होगा। प्रत्यक्ष होना माना जो संशय–निश्चय का चक्र चल रहा है वो खलास हो जाना। जैसे बच्चा पैदा होता है लौकिक में तो जब तक पैदा नहीं होता है तब तक गुन्ताडे भिड़ाते रहते हैं कि बच्चा होगा या बच्ची होगी। होगा, होगा कि नहीं होगा? लेकिन जब पैदा हो जाता है तो पक्का हो जाता है कि हाँ, पैदा हुआ। तो ऐसे ही सारे संसार में प्रत्यक्षता होना शुरू जायेगी। पहले बीजरुप ब्राह्मणों की दुनियाँ में, और बाद में सारे ही ब्राह्मण परिवार में और फिर सारी दुनियाँ में।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

So, the soul that plays a big *part* among those souls is of Aadam. He is the father of human beings (*aadmi*), he is the father of the human world. It has been said in the murli for him that *next to God is Prajapita*, *next to God is Narayan*, *next to God is Shankar*, and *next to God is Krishna*. This is why that Baba will become famous in this corporeal world in 2018. Will he be revealed first of all in the world of Brahmins or in the outside world? And even in the Brahimn world, will he be revealed in the *group* of the *advance knowledge* or will he be revealed in the world of the *basic* Brahmins? He will first be revealed in the advance world. To be revealed means the cycle of doubts and faith comes to an end. For example, when a child is born in the *lokik* [world]… until he is born people keep guessing whether it will be a son or a daughter, whether [a child] will be born or not. But when he is born then it becomes sure that yes he is born. So similarly, revelation will start to take place in the entire world. [It will take place] first in the world of the seed form Brahmins and later on in the entire Brahmin family and then in the entire world.

समयः 14.32–15.45
जिज्ञासुः– बाबा, 2018 तक कौन कौनसी मालायें तैयार होंगी?
बाबाः– सारी मालायें एक साथ तैयार हो जावेंगी, या नम्बरवार होंगी?
सभीः– नम्बरवार तैयार होंगी।
जिज्ञासुः– लेकिन 10 साल पड़े है ना।
बाबाः– भले 10 साल पड़े है। लेकिन 10 साल में क्या 16,108 की माला पहले प्रत्यक्ष हो जायेगी? अच्छा, 108 की माला प्रत्यक्ष हो जायेगी? अरे, प्रत्यक्ष तो पहले वो होंगे जो सज़ायें खाने वाले नहीं हैं। जो नई दुनियाँ का फाउन्डेशन पड़ेगा वो सौ पर्सेन्ट प्योर दुनियाँ का फाउन्डेशन पड़ना चाहिए या उनमें एकाद इम्प्योर भी हो, एकाद थोड़ी सी सज़ा खाने वाला भी हो तो भी चलेगा? बाप आते हैं एवरप्योर बाप है तो एवरप्योर दुनियाँ का संगठन बनाके जायेंगे या उसमें थोड़ी सी इम्प्योरिटी चलेगी? नहीं चलेगी। तो कितनों की माला पहले होगी?
सभीः– 8 की।
बाबाः– तो प्रश्न ही बेकार हो जाता है।

Time: 14.32-15.45
Student: Baba, which rosaries will be ready by 2018?
Baba: Will all the rosaries become ready simultaneously or will they become ready numberwise (one after the other)?
Everyone said: They will get ready numberwise.
Student: But there are 10 years left, aren't there?
Baba: Although 10 years are left, will the rosary of 16108 be revealed first within 10 years? *Acchaa*, will the rosary of 108 be revealed? *Arey*, those who do not suffer punishments will be revealed first. As regards the *foundation* of the new world that will be laid, should that be a *foundation* of hundred percent *pure* world or will it do if there are one or two *impure* souls, if there are one or two souls who suffer a little punishments? The Father comes; when the Father is *ever pure*, then will He establish a gathering of an *ever pure* world or will it do if there is some *impurity* in it? It will not do. So, the rosary of how many beads will be prepared first?
Everyone said: Of eight.
Baba: So, your question itself is useless.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः– 15.46–28.25
जिज्ञासुः– और एक प्रश्न है बाबा। इस्लाम, किश्चियन, मुस्लिम, सिक्ख और आर्य इन सब धर्मों का बेहद का अर्थ क्या है?
बाबाः– इस्लाम – दो शब्द हैं। क्या–2? इस और इसने क्या किया? लाम लगा दी। लाम माना लाइन। ऐसी लाइन लगा दी जो लाइन खत्म ही नहीं होती। एक के पीछे एक–3 लाइन लग जाती है। जो मुरली में बोला है आबू–रोड़ से लेकर के माउन्ट आबू तक लाइन लगेगी। उस समय कौनसे धर्म का फाउन्डेशन पड़ जायेगा? इस्लाम धर्म का फाउन्डेशन पड़ जायेगा। सबसे ज्यादा पैदाइश सबसे ज्यादा पापुलेशन बढ़ाने वाला कौनसा धर्म है? इस्लाम धर्म।
जिज्ञासुः– किश्चियन धर्म का बेहद का अर्थ?
बाबाः– किश्चियन है या किस्त धर्म है? किस्त धर्म कहते हैं हिन्दी में, और अंग्रेजी में कहते हैं किश्चियन। वो क (कृ) शब्द से बना है। क्या? जैसे कृ (क) शब्द से बना है कृष्ण। ऐसे ही कृष्ण की राशि किश्चियन से मिलाई जाती है। किश्चियन धर्म में जो गुण और अवगुण हैं वो पहले–2 काइस्ट में रहे होंगे या काइस्ट से भी पहले किसी और में रहे होंगे? कृष्ण में रहे होंगे। क्योंकि सारी दुनियाँ के भाव–स्वभाव–संस्कार का फाउन्डेशन संगमयुग में पड़ता है।

Time:15.46-28.25
Student: Baba, I have another question. What is the unlimited meaning of all the religions like Islam, Christian, Muslim, Sikh and Arya?
Baba: Islam ; there are two words [included in it]. What are they? *Is* (this one). What did this one do? He formed a line (*laam*). *Laam* means *line*. He formed such a *line* (queue) that does not end at all. There is one behind the other, a *line* is formed. It has been said in the murli: There will be a queue from **Abu** Road to Mount Abu. The *foundation* of which religion will be laid at that time? The *foundation* of Islam will be laid. Maximum reproduction… which religion increases *population* the most? Islam.
Student: What is the unlimited meaning of the Christian religion?
Baba: Is it Christian or *Khrist* (Christ) religion? In Hindi they say *Khrist dharm* (religion) and in English they say Christian. It is derived from the term *'kri'*. What? Just as Krishna is derived from *'kri'*, similarly Krishna's horoscope is matched with that of Christians. Would the qualities and bad traits of the Christian religion be present in Christ first of all or would they have been present in someone else before him? They must have been in Krishna because the *foundation* of the feelings, nature and *sanskaars* of the entire world is laid in the Confluence Age.

ब्राह्मणों की दुनियाँ में जो काइस्ट और कृष्ण की राशि मिलाई गई है वो इसलिए मिलाई गई है कि कृष्ण वाली आत्मा जो संगमयुग में ब्रह्मा के रूप में, दादा लेखराज के रुप में पार्ट बजाती है उसमें दिखावे का स्वभाव सबसे ज्यादा होता है। क्या? पाम्प एण्ड शो। ज्ञान–योग का प्रदर्शन करने वाले होंगे वो और उनके फॉलोअर्स, या ज्ञान–योग को गुप्त रखने वाले होंगे? प्रदर्शन करने वाले होंगे। इसलिए एडवान्स पार्टी में और बेसिक ब्राह्मणों की संगठन में ये अंतर देखा जाता है। क्या? बेसिक ब्राह्मण जो भी होंगे वो अपने को प्रदर्शित करने में ज्यादा इन्ट्रेस्टेड होंगे। खूब अपने–2 चेहरे छपायेंगे, खूब एड्वर्टाइजमेन्ट करेंगे। और जो पक्का एडवान्स में चलने वाला होगा उसका सबकुछ गुप्त होगा। अगर थोड़ा भी प्रत्यक्ष करने वाले भावना है तो समझ लो वो विधर्मी है। विधर्मी की शूटिंग कर रहा है। दान, मान, मर्तबा, धन सब गुप्त। पुरुषार्थ सारा गुप्त करेगा, सेवा भी गुप्त करेगा। ऐसे नहीं हमने इसको संदेश दिया, हमने इसको कोर्स कराया, पार्टी लेकर के दूसरा चला गया, लड़ाई लड़ना शुरु कर दें तो इससे क्या साबित होता है? मान–मर्तबा लेनेवाला हुआ, या मान–मर्तबे को गुप्त रखने में खुश हुआ? मान–मर्तबा लेने वाला हो गया। विधर्मी आत्मा है, विधर्मी की शूटिंग कर रहा है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

तो जो डिक्शनरी है उसमें "क" का अर्थ ही ब्रह्मा लगाया जाता है। क माने ब्रह्मा। "क" वर्ग में जितने भी अक्षर है क–ख–ग–घ–ड. वो सब ऐसे ही हैं।

In the world of Brahmins the horoscopes of Christ and Krishna have been matched because the soul of Krishna who plays a *part* in the form of Brahma, Dada Lekhraj has the nature of showing off more . What? *Pomp and show*. Will he and his *followers* exhibit their knowledge and yoga or will they keep their knowledge and yoga secret? They will exhibit it. This is why this difference is seen between the Advance Party and the gathering of the *basic* Brahmins. What? All the *basic* Brahmins will be more *interested* in exhibiting themselves. They will publish their face a lot [in the newspapers]; they will do a lot of *advertisement*. And the one who firmly follows the *advance* [knowledge], his everything will be secret. If someone has even a slight feeling to reveal himself , consider that he is a *vidharmi*[2]. He is performing the *shooting* of a *vidharmi*. The donation, respect, honour, wealth, everything should be secret. He (the one who truly follows advance knowledge) will make his entire *purushaarth*[3] in secrecy; he will do service too, in a secret manner. He will not say: I gave message to this one; I gave *course* to this one and another person took the *party* [for *bhatti*]; if he starts fighting , then what does it prove? Is he the one who seeks respect and honour or is he happy in keeping the respect and honour secret? He became the one who seeks respect and honour. He is a *vidharmi* soul; he is performing the *shooting* of a *vidharmi*. So, in the *dictionary*, the meaning of '*ka*' itself is Brahma. *Ka* means Brahma. All the alphabets in the group '*ka'*, i.e. *'ka, kha, ga, gha, anga'* are all like this.

जिज्ञासुः– मुस्लिम का?
बाबाः– मुस्लम क्या है?
जिज्ञासुः– मुस्लिम का बेहद का अर्थ क्या है?
बाबाः– मुसलमान लोग खुद ही बताते हैं मुसल्लिम है ईमान जिसका वो है मुस्लिम। क्या? जो ईमानदारी में पक्का है वो ही सच्चा मुस्लिम है। मुसलमानों में और इसलामियों में फर्क है। इसलामी जो थे वो मूर्तियों की पूजा करने वाले थे। देवताओं की मूर्तियों की पूजा करते थे। मुहम्मद ने आके क्या किया? सब मूर्तियों का खण्डन कर दिया। वो मूर्ति पूजा में विश्वास नहीं रखते। भारत में भी मुसलमानों का आक्रमण हुआ है। इसलामियों का आक्रमण नहीं हुआ। भारत में आकर के मूर्तियों की ताड़फोड़, मन्दिरों की तोड़फोड़ किसने की? मुसलमानों ने की।

Student: Muslim?
Baba: What about Muslim?
Student: What is the unlimited meaning of Muslim?
Baba: The Muslims themselves say that the one whose *iimaan* (religion) is Muslim is a Muslim. What? The one who is firm in honesty (*iimaandaari*) himself is a true Muslim. There is a difference between Muslims and the people of Islam. The people of Islam were idolators. They used to worship the idols of deities. What did Mohammad come and do? He broke all the idols. They do not believe in worshipping idols . India faced the attacks of Muslims not of the people of Islam . Who came to India and demolished idols and temples? The Muslims did it.

[2] The ones whoes beliefs and precepts are opposite to that set by the Father.
[3] Spiritual effort.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः– सिक्ख धर्म?
बाबाः– वो जितने भी गुरुद्वारे हैं उन गुरुद्वारों में कहीं भी किसी भी गुरुद्वारे में चले जाइये वहाँ वो राग जापते रहते हैं। वहाँ उनका गीत सदैव चलता रहेगा। जो गुरुनानक ने सिखामणी दी है, शिक्षायें दी हैं वो शिक्षायें ही लगातार गीतों के रुप में चलती रहेंगी। माना दूसरों को सिखाने में ज्यादा रमे रहते हैं। लेकिन खुद? खुद उतना जल्दी परिवर्तन नहीं होते हैं। और दूसरे धर्म जो हैं, जितने भी दूसरे धर्म सम्प्रदाय वाले हैं सब जग जाते हैं। लेकिन अंत तक कौनसे धर्म वाले सोते रहते हैं? सिक्ख धर्म वाले सोये रहते हैं। जब जोर से सूरज तपेगा किरणें बहुत तीखी हो जावेंगे तब उनकी आँख खुलती है। तब तक वो दूसरों को सिखाने में ही लगे रहते हैं। किसी की सुनने वाले नहीं । जैसे मुसलमान किसी की नहीं सुनते वैसे सिक्ख भी किसी की नहीं सुनते। इसलिए उनका नाम ही रख दिया है सिक्ख। मैं सीखूँ, वो नहीं, तू सीख। गुरुद्वारों में गुरु की वाणी चलती ही रहेगी।

Student: What about Sikh religion (Sikhism)?
Baba: Go to any Gurudwara (Sikh shrines) anywhere, they keep singing tunes (*raag*) there. Their song will always be played there . The teachings of Guru Nanak will be played there continusouly in the form of songs. It means that they are more interested in teaching others. But what about themselves? They do not change themselves soon. All the other religions, people belonging to all the other religions and communities wake up. But people of which religion continue to sleep till the end? The people of Sikh religion continue to sleep. When the sun becomes the hottest, when the sun rays become very intense, then their eyes open. Until then they remain engaged in teaching others. They do not listen to anyone. Just as the Muslims do not listen to anyone, the Sikhs also do not listen to anyone. This is why their name itself has been kept Sikh. It is not that I will learn; you should learn. Guru's vani will continue to be played in the Gurudwaras.

जिज्ञासुः– आर्यसमाज।
बाबाः– आर्यसमाजी तो अपने को कहते हैं आर्य। क्या? क्या कहते हैं? आर्य। लेकिन वो वास्तव में कहते हैं अपने को । आर्य तो होते हैं आदि वाले देवतायें। आर्य माना श्रेष्ठ। श्रेष्ठ कौन है? वो देवी–देवतायें जो विकारों के दुश्मन थे। क्या? किसके दुश्मन थे? विकारों के दुश्मन थे। देवतायें किसकी औलाद थे?
जिज्ञासुः– लक्ष्मी–नारायण के।
बाबाः– लक्ष्मी–नारायण तो खुद ही देवतां थे।
जिज्ञासुः– भगवान का।
बाबाः– भगवान के औलाद थे? देवतायें जो थे, जो आर्य थे, वो औलाद किसकी थे?
जिज्ञासुः– सूर्य के।
बाबाः– देवतायें जो थे वो किसके औलाद थे?
जिज्ञासुः– महादेव का।

Student: Arya Samaj.
Baba: Arya Samajis call themselves Arya. What? What do they say? Arya. They call themselves Arya But actually it is the deities of the beginning who are Arya. Arya means righteous. Who are righteous? The deities who were enemies of vices. What? Whose enemies were they? They were the enemies of vices. Whose children were the deities?
Someone said: Of Lakshmi-Narayan.
Baba: Lakshmi and Narayan were themselves deities.
Someone said: Of God.
Baba: Were they children of God? The deities , Arya, whose children were they?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Someone said: Of Sun.
Baba: Whose children were the deities?
Someone said: Mahadev.

बाबाः– जो सारे संसार का दुश्मन बन जाता है। कौन बन जाता है सारे संसार का दुश्मन? एक है जो सारे संसार का दुश्मन बन जाता है। सबको मार देता है। क्या?
जिज्ञासुः– परशुराम।
बाबाः– परशुराम नहीं। सारा संसार नीचे गिर जाता है। वो कौन है जिसकी मार से सारा संसार गिरता? कोई नहीं बचता।
जिज्ञासुः– महाकाल।
बाबाः– नहीं। माया। माया–रावण किसीको छोड़ता नहीं है। ये तुम्हारा बड़े ते बड़ा दुश्मन है। कौन? रावण। दुश्मन कहा जाता है अरि। अरि माना दुश्मन। सारे संसार में किसका राज्य है? रावण का राज्य है। सब रावण सम्प्रदाय है, या कोई अपने को राम सम्प्रदाय भी कहेगा? अभी कोई राम सम्प्रदाय है? राम का ही पता नहीं चल रहा है।
जिज्ञासुः– हमको पता चला है ना।
बाबाः– तुमको पता चला है किसकी औलाद है?
जिज्ञासुः– राम की औलाद।
बाबाः–हम राम की औलाद है, राम सम्प्रदाय है? यथा राजा तथा प्रजा? जैसे सन्यासी होते हैं और सन्यासियों के फॉलोअर्स भी होते हैं। होते हैं ना। सन्यासी कहते हैं कि हमने घर–बार छोड़ा है। जो असली सन्यासी होगा वो घर–बार छोड़ने वाला होता है कि नहीं? और उनके फॉलोअर्स भी कहते हैं कि हम अमुक सन्यासी के फॉलोअर हैं तो वास्तव में वो फॉलोअर हैं? क्यों? घर–बार तो छोड़ा नहीं तो फिर सन्यासी कैसे हुये? गुरुजी!

Baba: The one who becomes the enemy of the world. Who becomes the enemy of the entire world? There is one who becomes the enemy of the entire world. He kills everyone. What?
Someone said: Parshuram.
Baba: Not Parshuram. ☺ The entire world falls. Who is the one whose stroke brings the fall of the entire world? Nobody is spared.
Someone said: Mahakaal.
Baba: No. Maya. Maya Ravan does not leave anyone. He is your biggest enemy. Who? Ravan. An enemy is called *ari*. *Ari* means enemy. Whose kingdom exists in the entire world? Ravan's kingdom. Does everyone belong to Ravan's community or will anyone call himself as [part of] Ram's community? Does anyone belong to Ram's community now? We do not know about Ram himself.
Another student: We know, don't we?
Baba: Do you know? Whose children we are?
The other student: The children of Ram.
Baba: Are we Ram's children? Do we belong to the Ram community? As is the king, so are the subjects? For example, there are the *sanyasis* and there are *followers* of tge *sanyasis* as well. There are, aren't they? The *sanyasis* say that they have left the household. Does a true *sanyasi* leave the household or not? And their followers also say that they are the followers of this particular *sanyasi.* So, are they followers in reality? (Someone said: No.) Why? They did not leave the household. Then how are they *sanyasis*? (To the other student:) *Guruji!* ☺

समयः–28.35–30.42
जिज्ञासुः– स्वर्ग में भेज देता हूँ करके बोला ना बाबा! तो किसी के साथ भेजता है। एक ही साथ भेजता है? साढ़े चार लाख एक ही बार आ जाते हैं क्या?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः– द्वार खुलेंगे। कौन कौनसे द्वार खुलेंगे? शान्तिधाम और सुखधाम। शान्तिधाम का कोई मुखिया होगा? होगा। वो कौन होगा? शान्तिधाम का मुखिया कोई शान्तिदेवा होगा कि नहीं? शान्तिदेवा होगा? वो कौन होगा? अरे, जिसको पहले शान्ति मिली होगी वो ही तो शान्तिधाम होगा। जिसको खुद पहले शान्ति नहीं मिली होगी वो दूसरों को शान्ति कैसे देगा? तो कौन हुआ शान्तिदेवा? (किसीने कहाः–शंकर।) हाँ, रामवाली आत्मा या जिसे शंकर कहते हैं वो ही शान्तिदेवा हुआ। तो शान्तिधाम का मालिक कौन हुआ प्रैटिकल में? अगर तुम बच्चे शान्तिधाम को इस सृष्टि पर उतार लेंगे तो उतारने वालों में कोई मुखिया भी होगा ना। वो शान्तिदेवा है। तो शान्तिधाम में सब पहले जायेंगे फिर कहाँ जायेंगे? उसी सेकेण्ड में शान्तिधाम और उसी सेकेण्ड में सुखधाम में भी जायेंगे तो भेजने वाला कोई होगा कि नहीं? प्रैक्टिकल में परमधाम होगा, प्रैटिकल में शान्तिधाम होगा तो भेजने वाला कोई होगा कि नहीं होगा? कि बिना पास किये ही चले जायेंगे? (किसीने कहाः– पास करके जायेंगे।) हाँ, विजयमाला में मणके पिरोये जायेंगे ना। आशीर्वाद भी देते हैं विजयीभव। जैसे बोला शान्तिधाम में ले जाता हूँ, और सुखधाम में भेज देता हूँ।

Time:28.35-30.42
Student: Baba says, 'I send you to heaven', doesn't He? Does He send [them] all together? Do the 450 thousand [souls] go all together ?
Baba: The gates will open. Which gates will open? The Abode of Peace (*shaantidhaam*) and the Abode of Happiness (*sukhdhaam*). Will someone be the head of the Abode of Peace? There will be. Who will he be? Will there be any deity of peace (*shantideva*) who is the head of the Abode of Peace or not? Will there be a deity of peace? Who will it be? *Arey*, the one who achieves peace first of all himself will be the deity of peace. How can the one who hasn't achieved peace himself give peace to others? So, who is the deity of peace? (Someone said: Shankar.) Yes, the soul of Ram or the one who is called Shankar himself is the deity of peace. So, who is the master of the Abode of Peace in practice? If you children bring the Abode of Peace to this world, then there will also be a head among those who bring it down, won't there? He is the deity of peace. So, everyone will go to the Abode of Peace first; then where will they go? In that very *second* they will go to the Abode of Peace and in that very *second* they will go to the Abode of Happiness as well. So, will there be someone who sends them or not? There will be the Supreme Abode , the Abode of Peace in practice, so will there be someone who sends or not? Or will you go there without being passed (permitted)? (Someone said: We will go only after being passed.) Yes. Beads will be threaded into the rosary of victory (*Vijaymaalaa*), won't they? A blessing is also given: *Vijayi bhav* (May you be victorious). For example, it has been said, 'I **take** you to the Abode of Peace and I **send** you to the Abode of Happiness'. … (to be continued.)

Part-2

समयः–30.44–36.50
जिज्ञासुः– बाबा, एक पुरानी ऑडियो कैसेट में कहा है जब तक 500 करोड़ की दुनियाँ है तब तक आत्मा में निश्चय–अनिश्चय आते रहेंगे।
बाबाः–ये नहीं कहा 500 करोड़ की दुनियाँ जब तक है तब तक जो पाँच तत्वों के शरीर हैं वो सात्विक नहीं बन सकते। क्या? पाँच तत्वों में परिवर्तन नहीं आ सकता। माने प्रकृति सतोप्रधान नहीं बनेगी। प्रकृति सतोप्रधान कब बनेगी? जब पाँच तत्वों का भी परिवर्तन करें। पाँच तत्व सबसे पहले तो अपने शरीर में ही हैं। अपने शरीर के ही पाँच तत्वों का परिवर्तन नहीं हुआ, निरोगी काया नहीं बनी तो विश्व का परिवर्तन कहेंगे?
जिज्ञासुः– नहीं कहेंगे।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः– हाँ जी।
जिज्ञासुः– उनका वायब्रेशन्स, जब तक 500 करोड की दुनियाँ है....
बाबाः– जब तक 500 करोड़ की दुनियाँ है तो वायब्रेशन दुनियाँ के कैसे रहेंगे?
जिज्ञासुः– वायब्रेशन ब्राह्मणों के ऊपर भी असर पड़ते रहेंगे।
बाबाः– असर पड़ेगा। 500 करोड़ की दुनियाँ है और जब वो वायब्रेशन खत्म हो जायें, वायब्रेशन का प्रभाव ही न पड़े। ढेर के ढेर मनुष्य हैं, और ढेर के ढेर मरने वाले हैं अकाले मौत में, और ढेर के ढेर सूक्ष्म शरीर धारण करेंगे, भूत–प्रेत बनेंगे तो दुनियाँ का वायुमण्डल कैसा हो जायेगा? और ही जास्ती विकारी बनेगा या निर्विकारी बनेगा? तो शरीर सड़ते जावेंगे या पावन बनेंगे? सड़ते जावेंगे। वायब्रेशन सुधर नहीं सकते तब तक।

Time: 30.44-36.50
Student: Baba, it has been said in an old audio cassette that as long as the world of five billion (500 crores) [souls] exists, faith and doubt will keep rising in the soul.
Baba: It has not been said like this. As long as the world of five billion [souls] exists the bodies made of the five elements cannot become pure. What? The five elements cannot change. It means that the nature will not become *satopradhaan*. When will the nature become *satopradhaan*? It is when we change the five elements as well. The five elements exist first of all in our own body. If the five elements of our own body are not transformed, if the body has not become diseases free, then will the world transformation be said to have taken place?
Student: It will not be said.
Baba: Yes.
Student: Their vibrations… until the world of five billion [souls] exists….
Baba: As long as the world of five billion [souls] exists, how will the vibrations of the world be?
Student: The vibrations will affect the Brahmins as well.
Baba: There will be an effect. There is a world of five billion [souls] and when those vibrations come to an end, there shouldn't be any effect of the vibrations. There are numerous people; and numerous people are going to die an untimely death and numerous souls will take on a subtle body; they will become ghosts and spirits; so how will the atmosphere of the world become? Will it become vicious all the more or will it become vice less? So, will the bodies go on rotting or will they become pure? They will go on rotting. Till then the vibrations cannot improve.

सुधरना तब शुरु होंगे जब ये ढेर के ढेर वायब्रेशन बिगाड़ने वाले खत्म हो जायें। सिर्फ शुभ भावना और शुभ कामना रखने वाली आत्मायें इस सृष्टि पर रहें। एक भी अशुभ कामना–अशुभ भावना पैदा करने वाला संगठन में कोई मौजूद होगा तो संगठन टूटता रहेगा। संगठन माने किला। ये ब्राह्मणों का किला ऐसा बन जावेगा जिसमें कोई भी विकारी पाँव भी न रख सके। और....
जिज्ञासुः– तो माना वो आकारी स्टेज बनने के बाद भी वो वायब्रेशन बिगड़ते रहेगा तो शान्तिधाम वापस जाने के बाद ही यहाँ .....
बाबाः– शान्तिधाम में तो वापस अंत में जावेंगे। कब? कब जावेंगे? (जिज्ञासुः– 2036 में।) हाँ। क्योंकि 7 दिन का विनाश है। नारायण कितने हैं? विधर्मी नारायण कितने हैं? 7 हैं। वो अपने वायब्रेशन को जल्दी नहीं कन्वर्ट कर पाते।
जिज्ञासुः– फिर मालिक कब होगा?
बाबाः– हाँ, जो मालिक है वो मालिक वास्तव में बन्दों का मालिक है या सिर्फ बच्चों का मालिक है? एक होता है बच्चों का मालिक, और एक होता है मालिक तेरे बन्दे हम। वो बन्दे हैं, वो मालिक है। तो सारी दुनियाँ का मालिक कहा जाता है। जो सारी दुनियाँ का मालिक

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

है उस मालिक से सारे बन्दे जुड़े हुये हैं या नहीं हैं? जुड़े हुये हैं। इसलिए मुरली में बोला बाप के वारिसदार बच्चे भी हैं। क्या? बाप की प्रजा भी है, और बाप के भक्त भी हैं। क्या? बाप भक्ति स्थापन करने आता है क्या? फिर बाप के भक्त क्यों कहा?
जिज्ञासुः– साकार के लिए कहा।

They will start reforming only when these numerous people who spoil the vibrations perish. Only the souls who have good feelings and wishes should remain in this world. Even if one person with bad feelings and bad wishes is present in the gathering, then the gathering will keep breaking. Gathering means fort. This fort of Brahmins will become such that no vicious person will be able to step in it.
Student: So, it means that the vibrations will continue to spoil even after attaining the subtle stage, then is it only after returning to the Abode of Peace…
Baba: You will go back to the Abode of Peace in the end. When? When will you go? (Student: In 2036.) Yes. It is because the destruction is of seven days. How many Narayans are there? How many *vidharmi* Narayans are there? There are seven. They are unable to *convert* their vibrations soon.
Student: Then when will they become masters?
Baba: Yes, is the master actually the master of all the servants or is he the master of just the children? One is the master of the children and the other is the master whose servant we are. They are the servants and He is the master, the one who is called the master of the entire world. Are all the servants connected with the master of the entire world or not? They are connected. This is why it has been said in the murli that there are heirchildren of the Father as well. What? There are subjects of the Father as well as there are devotees of the Father. What? Does the Father come to establish *bhakti*? Then why was it said - the Father's devotees?
Student: It was said for the corporeal one.

बाबाः– साकार के लिए कहा। निराकार तो भक्त नहीं बनाता, बच्चे ही बनाता है। इसलिए जो भक्ति की स्टेज में लाइन में ले जाने वाले हैं वो सात नारायण हैं। हाँ, उनसे कनेक्शन है सात दिन के विनाश का, सात महाद्वीपों का, सात सागरों का। और सारी दुनियाँ का विनाश होगा। तब वायब्रेशन में परिवर्तन आवेगा।
जिज्ञासुः– विनाश होगा, माना वो सीधा शान्तिधाम जायेंगे या यहाँ जैसे आकारी स्टेज पाता है वैसा ...
बाबाः– सबको सूक्ष्मवतन में टिकना पड़े। सूक्ष्मवतन की भी स्टेजेस हैं। क्या? एक होती है ईविल सोल, प्रवेश करेंगी तो दूसरों को तंग ही करेंगी, दुःख ही देंगी। और उन सोल में भी कुछ होती है ब्रह्मा जैसी आत्मायें तंग दुःखी करने वाली नहीं होंगी है सूक्ष्म शरीर। सूक्ष्म वायब्रेशन के आधार पर उनकी पूरे वायब्रेशन नहीं सुधरे हैं। गीता का भगवान कौन है ये गुह्य पोइन्ट बुद्धि में नहीं बैठा है।

Baba: It has been said for corporeal one. The Incorporeal One does not make [anyone into a] devotee; He makes just the children . This is why those who take you in the line of the stage of *bhakti* are the seven Narayans. Yes, they have a *connection* is with the destruction of seven days, the seven continents and the seven oceans. And the destruction of the entire world will take place. Then the vibrations will change.
Student: Destruction will take place; does it mean that they will go to the Abode of Peace directly or just as they live in a subtle stage here….

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Everyone will have to stay in the subtle world. There are *stages* of the subtle world as well. What? One kind of souls is evil souls; when they enter [someone] they will trouble them; they will give just sorrow. And among those souls there are some souls like Brahma which will not trouble anyone or give sorrow. But it has a subtle body. All their vibrations have not impr oved on the basis of the subtle vibrations. The deep *point*, 'who God of the Gita is' has not sit in their intellect.

समयः– 36.56–37.46
जिज्ञासुः– अभी लक्ष्मण रेखा कैसे लागू होता है बाबा? ज्ञान मार्ग में, लक्ष्मण रेखा होता है ना भक्ति मार्ग में।
बाबाः– हाँ, लक्ष। क्या? लक्ष्य रेखा कौनसी खींची? लक्ष्मण रेखा। लक्ष्य क्या दिया हुआ है? नर से नारायण बनने का ज्ञान, नारी से लक्ष्मी बनने का ज्ञान। तो जो श्रीमत की लीका है जिससे नर से नारायण, नारी से लक्ष्मी बनते हैं उस लीका को जो तोड़ देते हैं तो रावण की जेल में चले जाते हैं। रावण उनको हरण कर लेता है। यही लक्ष्मण रेखा है।

Time: 36-56-37.46
Student: Baba, how is the Lakshman *rekhaa*[4] applicable now in the path of knowledge? There is a Lakshman *rekha* in the path of *bhakti*, isn't it?
Baba: Yes, *laksh.* What? Which *rekhaa* (line) did he draw? Lakshman *rekhaa*. What is the *lakshya* (goal) that has been set? The knowledge of changing from a man to Narayan and from a woman to Lakshmi. So, those who break the line of *shrimat* through which a man changes to Narayan and a woman changes to Lakshmi go to the *jail* of Ravan. Ravan abducts them. This itself is the Lakshman *rekhaa*.

समयः– 37.46–39.22
जिज्ञासुः– बाबा! जो हूँ, जैसा हूँ, जिस रुप में हूँ...
बाबाः– पार्ट बजाय रहा हूँ, मैं जो हूँ, और जैसा भी हूँ क्या? जैसा भी कोई कहता है बहुत अच्छा है। कोई कहता है ये तो बहुत खराब है। जो हूँ, और जैसा भी हूँ। कहते हैं ना, जो हो, जैसे हो, मेरे हो। बाबा कहते हैं ना– तुम बच्चे जो भी हो, जैसे भी हो, मेरे हो। लेकिन मैं तुम बच्चों को पसंद करता हूँ। सिर्फ कौनसी बात पर? कि दुनियाँ ने मेरे को नहीं पहचाना और तुम बच्चों ने मेरे को पहचान लिया। इसलिए तुम जो भी हो, और जैसे भी हो, वैसे मेरे हो, ये तो बाप कहते हैं। और बच्चे भी क्या कहते हैं? बाबा! हम दुनियाँ की बात नहीं सुनेंगे। आप जो भी हैं, जैसे भी हैं, आप मेरे हैं।
जिज्ञासुः– और जिस रुप में...
बाबाः– जिस रुप में पार्ट बजाय रहे हैं। बाप बाप के रुप में भी पार्ट बजाता है, टीचर के रुप में भी पार्ट बजाता है, सद्गुरु के रुप में भी पार्ट बजाता है, साजन के रुप में भी पार्ट बजाता है, सजनी के रुप में नहीं? (किसीने कहाः– हाँ है।) तो जिस रुप में भी पार्ट बजाता है मेरा है। कोई भी संबंध के रुप में पार्ट बजाता है मेरा है। वो रुप जिस रुप में पार्ट बजाता है।

Time:37.46-39.22
Student: Baba, whatever I am, however I am, the form in which I am...
Baba: … playing My *part*… Yes. Whatever I am and however I am; what? However I am…. someone says: "He is very good". Someone says : "He is very bad". Whatever I am and however I am… People say, don't they? – "Whatever you are, however you are, you are

[4] The line drawn by Lakshman to protect Sita from enemies

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

mine". Baba says, doesn't He? – "Children, whatever you are, however you are, you are Mine. I like you children anyway. Just because of what? [It is because] the world did not recognize Me and you children recognized Me. This is why **whatever** you are, and **however** you are, you are Mine". This is what the Father says . And what do the children also say? "Baba, we will not listen to what the world says; whatever you are and however you are, you are mine". ☺

Student: And the form in which...

Baba: …And the form in which He is playing the *part*. The Father plays a *part* in the form of a father , a *teacher* as well as the *Sadguru* . He plays a *part* in the form of a husband as well; does He not [play a part] in the form of a wife? So, in whichever form He plays a part, He is mine. In whichever form of relationship He plays a *part*, He is mine. That form in which He plays His part.

समयः–39.30–43.33

जिज्ञासुः– बाबा, 2018 में भी बेसिक ब्राह्मणों की दुनियाँ नहीं मानेगी तो एडवान्स और बेसिक..

बाबाः– दुनियाँ है ना। तीन दुनियाँ हैं कि सिर्फ एक ही दुनियाँ है? अरे, दुनियाँ वाले भी तो कहते हैं कितनी दुनियाँ हैं? तीन दुनियाँ है। दुनियाँ वाले भी कहते हैं तीसरी दुनियाँ के लोग, न्यूट्रल दुनियाँ के लोग। न्यूट्रल देश है ना कोई? ऐसे ही यहाँ भी है। जो बीजरुप आत्मायें हैं वो कौनसी दुनियाँ है? हाँ, जो बीजरुप आत्मायें हैं वो कौनसी दुनियाँ है? जो न्यूट्रल देश हैं। क्या? वो कोई महाशक्ति से बंधे हुये नहीं है। आया समझ में? न्यूट्रल देश हैं। ये बीजरुप आत्मायें जो हैं किस तरह की आत्मायें हैं? बाप को पहचानने वाले सब न्यूट्रल देश हैं। वो तीसरी दुनियाँ है। एडवान्स पार्टी जिसको नाम दिया गया है। दूसरी दुनियाँ वो है जो बेसिक में है जिन्होंने बाप को नहीं पहचाना है। पहचाना है तो सिर्फ बेसिकली पहचाना है। बाप के स्पेशल पार्ट को, पार्टधारी को स्पेशल पार्टधारी बाप को पहचाना नहीं है। सामान्य रुप से पहचान ले ली है। बिन्दु–2 आत्माओं का बाप ज्योति बिन्दु। बस। इससे आगे नहीं। लेकिन वो ज्योति बिन्दु कैसे इस सृष्टि को पावन बनाकर जाता है, कैसे नर्क को स्वर्ग बनाके जाता है वो नर्क को स्वर्ग बनाने वाला एक कौन है इस बात को वो नहीं जानते। वो दूसरी दुनियाँ है। और थर्ड क्लास? न बेसिक को जानते हैं न एडवान्स को जानते हैं। दुनियाँ जैसे चल रही है वैसे वो भी चल रहे हैं।

Time:39.30-43.33

Student: Baba, even in 2018 the world of basic Brahmins will not accept; so advance and basic…

Baba: It is a world, isn't it? Are there three worlds or just one world? *Arey*, people of the world also say that how many worlds are there? There are three worlds. The people of the world also speak about people from a third world, people of a *neutral* world. There are some *neutral* countries, aren't there? Similar is the case here. The seed form souls belong to which world? The seed form souls belong to which world? They [make up] a *neutral* country. What? They are not related to any super power (*mahaashakti*). Did you understand? They [form] a *neutral* country. What kind of souls are these seed form souls? All those who recognize the Father belong to *neutral* country. They are the third world. It has been named the *Advance Party*. Those who are in the *basic* [knowledge], those who have not recognized the Father are the second world. If they have recognized, they have recognized Him only at basic level. They have not recognized the special *part*, the actor, the *special* actor, the Father. They have recognized Him in an ordinary way. The Father of the point like souls is the Point of light. That is all. [They know] not more than this. But how that Point of light makes this

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

world pure, how He changes hell into heaven, who that One who transforms hell to heaven is, they do not know this. They belong to the second world. And [who are] *third class*? Those who neither know the *basic* [knowledge] nor the *advance* [knowledge]. They are living just like the world lives.

जिज्ञासुः– तो 2018 तक भी पूरा नहीं मानेंगे बाप को बेसिक वाले ?
बाबाः– 2018 तक बाप प्रत्यक्ष हो जायेगा क्या? पहले बच्चे की बुद्धि में आना चाहिए, जो पहले नम्बर का बच्चा है इस सृष्टि का मनुष्य सृष्टि का पहले नम्बर का बीज बाप कौन है? और पहले नम्बर का पत्ता कौन है? पत्ते तो हैं 500 करोड़, 700 करोड़। लेकिन उनमें बीज कौन है? राम बाप। और उससे पैदा होने वाला पहला पत्ता कौन है? कृष्ण। तो पहला पत्ता तब ही तो निकलेगा जब बीज बाप से जन्म लें। और बाप में पैदा करने की ताकत ही नहीं है तो पहला पत्ता उगेगा क्या? नहीं। बाप, बाप है लेकिन तब बाप पक्के रुप में कहा जाता है जब बच्चा भी हो। क्या?
जिज्ञासुः– बच्चा भी हो।
बाबाः– हाँ। ऐसे नहीं कि शादी कर ली और बाप हो गया। अच्छा, शादी करने से कोई बाप कहा जाता है? नहीं। हाँ, बाप बन जायेगा कि शादी करने से बाप हो गया? नहीं। जब बच्चा पैदा हो तो कहेंगे बाप है। तो बाप, बाप के अस्तित्व में बाप तब कहा जाए जब बाप समान बच्चा भी हो मौजूद। इसलिए बाप खुद प्रत्यक्ष नहीं होते। क्या करते हैं? बाप बच्चों के द्वारा प्रत्यक्ष होते हैं। ऊँ शान्ति।

Student: So, will not those who follow the basic knowledge accept the Father completely even till 2018?
Baba: Will the Father be revealed till 2018? Should it come in the intellect of the first child, the No.1 child … Who is the No.1 seed father in this world, the human world and who is the No.1 leaf? There are five-seven billion leaves. But who is the seed among them? The father Ram. And who is the first leaf that is born from him? Krishna. So, the first leaf will emerge only when it is born from the seed father. And will the first leaf be born if the father does not have the power to give birth at all? No. The father is a father, but he is called a father in a true sense when he has a child as well. What?
Student: He should have a child as well.
Baba: Yes. It is not that someone gets married and becomes a father. *Acchaa*, is anyone said to be a father just by getting married? No. Yes, it is said that he will become a father. Or has he become a father just by getting married? No. He will be called a father when a child is born. So, the father will be said to exist as a father when a child equal to the father is also present. This is why the Father does not reveal Himself. What does He do? The Father is revealed through the children. Om Shanti.

वार्तालाप नं.– 523 हैदराबाद–भाग–2, ता.29.02.08
Disc.CD No.523, dated 29.02.08, at Hyderabad, Part-2

समयः 49.46–51.12
बाबाः शास्त्रों में भी गायन है पांच पांडव युधिष्ठिर के लिए 100 परसेन्ट समर्पित थे। या कुछ समर्पित थे कुछ नहीं समर्पित थे? (किसी ने कहाः पांचों समर्पित थे।) पांचों पूरा–2 समर्पित थे। नहीं तो भाईयों में ऐसा एकाद देखा नहीं जाता दुनियां में कि उनकी पत्नी को बड़ा भाई दाँव पर लगा दे।
जिज्ञासुः बाबा थोड़ा बहुत अंतर है तभी तो आठ नंबर बनेंगे ना।
बाबाः बिल्कुल।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः तो फिर मेरा राज्य है, मेरा राज्य नहीं है ऐसा क्यों...
बाबाः जब तक 'मेरा राज्य है' ये बुद्धि में है तब तक नई दुनियाँ की स्थापना करने वाली परिवार की वो एक एकाई तैयार ही नहीं हो सकती। वो मेरापन खत्म हो जाना चाहिए। जो बाप का सो मेरा।

Time: 49.46-51.12
Baba: It is famous in the scriptures too, the five Pandavas were 100 *percent* dedicated to Yudhishthir. Or were some dedicated to him and some not? (Someone said: All the five were dedicated to him.) All the five were completely dedicated to him. Otherwise, such unity cannot be seen among the brothers in the world that their elder brother puts their wife at stake.
Student: Baba, there is some difference only then will the eight numbers become ready, won't they?
Baba: Definitely.
Student: Then why is it so 'it is my kingdom and it is not my kingdom'…
Baba: As long as it is in the intellect 'it is my kingdom', the one family unit that establishes the new world can't be formed. So the consciousness of mine should end. Whatever belongs to the Father, that belongs to me.

समयः 51.16–53.55
जिज्ञासुः बाबा, शुशुप्त अवस्था माना क्या?
बाबाः रात में जब सो जाते हैं तो एक अवस्था होती है जिसमें स्वप्न में चारों तरफ दुनियां में घुमते हैं। वो एक अवस्था। एक अवस्था ऐसी होती कि एकदम शून्य कुछ भी याद नहीं रहता गहरी नींद आती है। अच्छी नींद मानी जाती है। और एक वो अवस्था जिसे जाग्रत अवस्था कहते हैं। जाग्रत अवस्था में आँखें भल खुली हुई हों या न खुली हुई हों लेकिन मन जो है वो शुशुप्तावस्था में नहीं कहा जाता वो जाग्रत अवस्था में है। संकल्प विकल्प करता है लेकिन स्वप्न नहीं। तो ये तीन अवस्थायें हैं आत्मा की। एक जाग्रत अवस्था, एक निद्रा ऐसी है जिसमें डेड साईलेन्स नहीं है अच्छी तरह से रिफ्रेश होता है, थकान दूर हो जाती है। लेकिन एक ऐसी भी निंद्रा होती है जिसमें थकान और ज्यादा बढ़ जाती है। इतना खराब स्वप्न आ जाता है कि बड़ी बेचैनी हो जाती है। तो तीन प्रकार की निद्रा है– जाग्रत अवस्था, स्वपनावस्था और शुशुप्तावस्था।
दूसरा जिज्ञासुः बाबा, तुरिया अवस्था क्या होती है?
बाबाः इन तीनों से जो परे हो जाए वो है तुरिया अवस्था। जिसमें सिर्फ आत्मा का स्वरूप याद रहता है और कुछ याद नहीं रहता है। मैं आत्मा ज्योतिबिंदु।
दूसरा जिज्ञासुः कितना समय तक होता है?
बाबाः जिसका आठ घंटा हो गया समझ लो परिपूर्ण हो गया।

Time: 51.16-53.55
Student: What does *shushupta avasthaa* mean?
Baba: There is a stage when we wander everywhere in the world while sleeping at night. This is one kind of stage. One kind of stage is such that we become completely nil, we don't remember anything, we have a sound sleep, that is considered to be good sleep. And there is another stage which is called the awakened stage (*jaagrit avasthaa*). In the awakened stage it doesn't matter whether the eyes are open or close but the mind is not said to be in state of sleep, it [remains] in the awakened state. It thinks but doesn't have dream. So, these are the three stages of the soul: one is the awakened stage, the other [stage is of] such a sleep that there isn't *dead silence* in it, we feel completely refreshed , our tiredness vanishes. But there

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

is one such kind of sleep too in which our tiredness increases even more. We have such a bad dream that we become very restless. So, there are three types of sleeps: the awakened state, the dreaming state and the sleeping state.
Another student: Baba, what does *turiya avasthaa* (unique stage) mean?
Baba: The stage which is beyond all these three [stages] is the unique stage. In it we remember only the form of the soul 'I am a point of light soul', nothing else comes to our mind.
The other student: How long does it last?
Baba: The one who has attained [this stage] for eight hours consider that he has become complete.

समयः 54.07–57.06
जिज्ञासुः साकार में जब निराकार आता है तो शिव शंकर भोलेनाथ कहा हुआ है मुरलियों में। और शंकर का कर्तव्य तो विनाश ही बोला है और फिर बोले हैं शंकर का पार्ट ऐसा है बहुत वंडरफुल पार्ट।
बाबाः प्रश्न क्या है आपका?
जिज्ञासुः तीनों में डिफरेन्स क्या है?
बाबाः कौन–2 सी तीन बातों में डिफरेन्स?
जिज्ञासुः शिव शंकर भोलेनाथ।
बाबाः जब शिव और शंकर कहा जाता है तो जैसा नाम वैसा काम। शिव का काम है कल्याणकारी। तो जो भी संकल्प करेगा वो आत्मा, जो भी दृष्टि निक्षेप करेगा कल्याणकारी। जो भी कमेन्द्रियों से कर्म करेगा चाहे श्रेष्ठ इन्द्रयां हों और चाहे भ्रष्ट इन्द्रयां हों वो कल्याणकारी कार्य होगा या अकल्याणकारी कार्य होगा? कल्याण ही रिज़ल्ट में देने वाला होगा। उसको कहेंगे शिव। जैसे मुरली में बाबा बोलते हैं किसकी गोद में आए हो? तो अगर गोद में आने वाली आत्मा की बुद्धि में– हम ब्रह्मा की गोद में आए तो फेल और उसकी बुद्धि में– हम शिवबाबा की गोद में आए तो पास। ऐसे ही यहाँ भी है। अगर जो भी कर्मेन्द्रियों से कर्म हुआ अगर बुद्धि में ये निश्चय है कि शिवबाबा ने कर्म किया तो कल्याणकारी होगा या अकल्याणकारी रिज़ल्ट देने वाला होगा? कल्याणकारी रिज़ल्ट देने वाला होगा। निश्चय पैदा करनेवाला होगा या अनिश्चय पैदा करने वाला होगा? निश्चय पैदा करने वाला होगा। फर्क आया समझ में? हाँ जी। कुछ रह गया तो पूछो।
जिज्ञासुः शंकर का वंडरफुल पार्ट।
बाबाः वंडरफुल का मतलब ये है कि कोई समझ नहीं सकता पूरा–2 कि ये शिव ने पार्ट बजाया या शंकर ने पार्ट बजाया। ऐसा वंडरफुल पार्ट है जो तुम बच्चे भी समझ न सको। माना जो ज्ञानी तू आत्मा बच्चे हैं उनको भी भ्रम पैदा हो जाता है थोड़ा न बहुत। माना निश्चय बुद्धि एक मुकर्रर रथधारी के सिवाय एक भी नहीं बन पाता। इसीलिए वंडरफुल पार्ट है।

Time: 54.07-57.06
Student: It is said in the murlis, when the Incorporeal One comes in the corporeal one He is called Shiva Shankar Bholenath. And it is said that the task of Shankar is just to bring destruction then it is said, Shankar's part is very wonderful.
Baba: What is your doubt?
Student: What is the difference between these three [points]?
Baba: *Difference* in which three topics?
Student: Shiva Shankar Bholenath.
Baba: When it is said Shiva and Shankar, then the task is according to name. Shiva's task is beneficial. So, whatever that Soul thinks, wherever He throws His vision will be beneficial.

Whatever actions He performs through the *karmendriyaan*[5], whether they are *shresth indriyaan*[6] or *bhrasht indriyaan*[7], will that action be beneficial or harmful? The *result* that comes out will be just beneficial. He will be called Shiva. Just as Baba says in the murli, on whose lap have you come? If the soul who has come on the lap has in his intellect: 'I have come on the lap of Brahma', then he is *fail* and if he has in his intellect: 'I have come on the lap of Shivbaba', then he is *pass*. The same thing is here as well. For whatever action He performs through the *karmendriya*, if there is this faith in the intellect: 'Shivbaba has performed the action' so will it give out beneficial or harmful *result*? It will give out beneficial *result*. Will it give rise to faith or will it give rise to doubt? It will give rise to faith. Did you understand the difference? Ask if any [doubt] is left.
Student: Shankar's part is wonderful.
Baba: *Wonderful* means no one can understand it completely that whether this *part* is played by Shiva or Shankar. It is such a *wonderful part* that even you children can't understand it. It means even the children who are knowledgeable souls become confused to a certain extent. It means except the one permanent chariot no one becomes the one with a faithful intellect [completely], this is why it is a *wonderful part*.

समय:57.13–59.01
जिज्ञासुः बाबा, मुकर्रर रथ के लिए कहा गया है ना भारत इस समय पूरा नास्तिक है। अंत में पूरा नास्तिक बनेगा ना।
बाबाः बनेगा कि है?
जिज्ञासुः कोई आस्था नहीं है।
बाबाः हाँ जी कोई आस्था नहीं माना कोई के ऊपर आस्था नहीं।कोई के ऊपर आस्था है ये कहेंगे अभी? जो भी परमात्म पार्टधारी है प्रैक्टिकल में है, हीरो पार्टधारी का पार्ट बजाने वाली आत्मा है माना प्रजापिता की आत्मा है उसको इस संसार में कोई साकार मनुष्य के ऊपर आस्था, विश्वास, निश्चय है या नहीं है? अरे, जोर से बोलो ना।
जिज्ञासुः नहीं है। एक बाप के सिवाय।
बाबाः वो एक बाप जिंदा है या मरा हुआ है?
जिज्ञासुः जिंदा है।
बाबाः जिंदा है तो उसके ऊपर निश्चय है ना।
जिज्ञासुः है।
बाबाः तो साकार है या निराकार है? बोलो।
जिज्ञासुः साकार है।
बाबाः साकार है ना। तो साकार वो कौन है वो स्वयं ही है या कोई बाहर वाला है?
जिज्ञासुः स्वयं ही है।
बाबाः स्वयं ही है। तो उसके ऊपर साकार के ऊपर निश्चय है। माना अपने अलावा और किसी के ऊपर निश्चय नहीं है तो सबसे बड़ा दुनियाँ का नास्तिक हुआ ना। हिटलर, नेपोलियन अपने से ज्यादा बड़ा किसीको मानते थे जिससे मत लेवें?
जिज्ञासुः नहीं मानते थे।
बाबाः नहीं मानते थे। तो नास्तिक हुए ना। फिर? इसीलिए बोला कि भारत इस समय पूरा नास्तिक है।

[5] Parts of the body used to perform actions.
[6] Sense organs
[7] Corrupt *indriya*; *indriyaan*: parts of the body

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 57.13-59.01
Student: Baba, it is said for the permanent chariot, now Bharat is completely atheist (*naastik*), isn't it? He will become complete atheist in the end, won't he?
Baba: Will he become or **is** he [an atheist now]?
Student: He doesn't have any faith.
Baba: Yes, he doesn't have any faith means he doesn't have faith in anyone. Will it be said that he has faith in someone now? The actor who plays the role of the Supreme Soul in practice, the soul who plays the role of the *hero* actor meaning the soul of Prajapita, does he have faith, belief in any corporeal human being in this world or not? *Arey*, do speak loudly!
Student: He doesn't have [faith in anyone] except the one Father.
Baba: Is that one Father alive or dead?
Student: He is alive.
Baba: He is alive, so he has faith in Him, hasn't he?
Student: He has.
Baba: So is he corporeal or incorporeal? Speak up!
Student: He is corporeal.
Baba: He is corporeal, isn't he? So is he himself corporeal or is it someone else?
Student: No, it is he himself.
Baba: It is he himself. So he is has faith in that corporeal one. It means he doesn't have faith in anyone else except himself. So he is the biggest atheist of the world, isn't he? Did Hitler, Napoleon consider anyone higher than themselves, so that they would ask him for opinion?
Student: They didn't consider.
Baba: They didn't consider. So, they are atheists, aren't they? Then? This is why it is said Bharat is completely atheist at present.

समयः 59.06–01.00.13
जिज्ञासुः बाबा, एक मुरली में कहा है तुमको नीचे गिराने वाले हैं सबसे ज्यादा गुरू लोग। तो फिर ये बात सबसे ज्यादा 100 परसन्ट पतित, 100 परसन्ट पावन राम बाप ही बनता है। तो फिर उनका तो कोई गुरू नहीं है शुटिंग पिरियड में सिवाय निराकार के तो फिर वो कैसे गिरा है, 84 जन्मों के चक्कर में वो 100 परसन्ट पूरा पतित कैसे बना है?
बाबाः माना रामवाली आत्मा को 100 परसन्ट निश्चय जो है वो सन् 36 से ही हो जाता है क्या?
जिज्ञासुः दूबारा जन्म लेकर आता है 76 में।
बाबाः तो 40 साल निकल गए ना। उन चालिस सालों में देवता वर्ण की आत्माओं के साथ उसने 84 जन्मों की शुटिंग कर ली या नहीं कर ली?
जिज्ञासुः कर ली।
बाबाः पतितपने की 63 जन्मों की शुटिंग कर ली या नहीं कर ली? कर ली। हाँ जी।

Time: 59.06-01.00.13
Student: Baba, it is said in a murli, it is the gurus who make you fall the most. Then it is the father Ram himself who becomes 100 percent impure and 100 percent pure, isn't it? But he doesn't have any guru except the Incorporeal One in the shooting period. Then, how did he fall, how did he become 100 percent impure in the cycle of 84 births ?
Baba: Do mean to say, that the soul of Ram has 100 percent faith from the year 1936 itself?
Student: No, he comes being born again, in 76.
Baba: So, 40 years passed, didn't they? In those 40 years did he do the *shooting* of 84 births with the souls belonging to the Deity clan or not?
Student: He did.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Did he do the *shooting* of 63 births of being impure or not? He did it. Yes. … (to be continued.)

Part-3

समयः 01.00.15–01.02.16
जिज्ञासुः सबसे ज्यादा सज़ा खाते हैं गुरू लोग ऐसा भी कहा है। माना ये बीजरूपी दुनियां में किनके लिए लागू होता है?
बाबाः हाँ, बीजरूप आत्माओं की दुनियां में वो गुरू कौन हैं जो शिवोहम कहके बैठ जाते हैं? उस लिस्ट में कौन–2 हैं और कौन–2 नहीं हैं? बताओ न जल्दी करो। अरे, बोलो। (किसी ने कहाः सब हैं।) सभी हैं? सभी हैं तो जो मुकर्रर रथधारी आत्मा है वो भी होनी चाहिए। होनी चाहिए कि नहीं?
जिज्ञासुः सभी नहीं कहना चाहिए बाबा।
बाबाः एक कम 500–700 करोड़।
जिज्ञासुः नौ कुरियों के मुखिया को कहेंगे ना। नौ कुरियाँ है ना के ब्राह्मणों की।
बाबाः नौ कुरियाँ हाँ, ठीक है।
जिज्ञासुः सारी दुनियां का बीज तो वो नौ कुरी ही हो गए।
बाबाः हाँ, हाँ। सारी दुनियां का बीज एक ही है।
जिज्ञासुः नहीं, अलग–2 धर्मों के।
बाबाः हाँ, हाँ अलग–2 धर्मों के बीज अलग–2 हैं एक–एक। वो 100 परसन्ट अपने ही धर्म के बीज हैं। लेकिन एक ऐसा है जो सब धर्मों का बीज है। इसीलिए उसको कहा गया है वो पूरा नास्तिक है। और इतने नास्तिक नहीं बन पायेंगे।

Time: 01.00.15- 01.02.16
Student: It is also said that it is the gurus who suffer punishments the most. To whom is it applicable in the world of the seed form [souls]?
Baba: Yes, who are the gurus in the world of the seed form souls who say *Shivoham* (I am Shiva)? Who are included in that *list* and who are not included? Do answer quickly! *Arey*, speak up. (Someone said: Everyone.) Is everyone [included]? If everyone is included, then the permanent chariot bearer soul should also be included in it. Should he be included in it or not?
Student: Baba, it should not be said for everyone.
Baba: One [soul] less among the five-seven billion [souls]. ☺
Student: The heads of the nine categories will be called this, won't they? There are nine categories of Brahmins, aren't there?
Baba: Nine categories. Yes, all right.
Student: The seeds of the entire world are those [heads of] the nine categories themselves.
Baba: Yes, yes. The seed of the entire world is only one.
Student: No, [the seeds] of different religion.
Baba: Yes, yes, there is one seed in every different religion. They are the 100 percent seeds of their own religion but there is one who is the seed of all the religions. This is why, it is said that he is completely atheist. Others won't be able to become atheist to that extent.

समयः01.02.19–01.08.46
जिज्ञासुः बाबा, एक बाप में पूरी दुनियां समाई हुई है। फिर खुबसूरत से खुबसूरत पार्ट बाप से ही दिखाई देगी और बदसूरत से बदसूरत पार्ट भी बाप से ही दिखाई देगी।
बाबाः बड़े ते बड़ा रावण और बड़े ते बड़ा राम कौन?
जिज्ञासुः ये कब, क्यों और कैसे होगा?

बाबाः टाईम की बात है। एक समय ऐसा है सतोप्रधान कि वो बड़े ते बड़ा श्रेष्ठ पार्ट बजाने वाला संसार के सामने साबित हो जाता है। और एक टाईम ऐसा है कि दुनियां का बड़े ते बड़ा हुजूम उसको रावण अनुभव करता है रूलाने वाला अनुभव करता है। जब सारी दुनियां का विनाश होगा बड़े–2 भुकंप आयेंगे और दुनियां की बड़े ते बड़ी जनरेशन दबकरके हाय–2 चिल्लाय रही होगी तो जो चिल्लाने वाले हैं वो सज़ा खाने वालों की लिस्ट में होंगे या वाह–2 करने की लिस्ट में होंगे? (किसीने कहाः सज़ा खाने वालों की लिस्ट में।) कितने होंगे? अरे सज़ा खाने वालों की लिस्ट में कितने होंगे? आठ के सिवाय सभी होंगे। तो बड़े ते बड़ा रूलाने वाला कौन हुआ? (किसीने कहाः रावण।) वो कौन हुआ? (किसीने कहाः बाप ही हो गया।) फिर? राम ही रावण बनता है लेकिन टाईम निश्चित है। लम्बे समय तक रूलाने वाले कौन बनते हैं और अंतिम क्षणों में रूलाने के निमित्त रावण कौन बनता है? और वो बनना ज़रूरी है या नहीं ज़रूरी है? (किसीने कहाः बनना ज़रूरी है।) नहीं तो दुनियां का विनाश नहीं होगा। और दुनियां का विनाश नहीं होगा तो ये पांच तत्वों वाली जड़त्वमई बुद्धि वाली जो दुनियां है वो सात्विक नहीं बनेगी। प्रकृति के पांच तत्वों को भी जब तक सात्विक नहीं बनाया है, सुखदाई नहीं बनाया है, तब तक नई दुनियां की स्थापना नहीं कही जावेगी।

Time: 01.02.19 - 01.08.46
Student: Baba, the entire world is contained in one father. Then, the most beautiful part as well as the most ugly part will be seen in the father.
Baba: Who is the biggest Ravan and who is the biggest Ram?
Student: When, why and how will this happen?
Baba: It is about *time*. There is a *satopradhaan* period when he is proved to be the one who plays the most elevated role in front of the world. And there is [also] a *time* when the biggest gathering of the world experiences him to be Ravan, the one who makes [others] cry. When the destruction of the entire takes place, big earthquakes occur and the biggest *generation* (population) of the world cries out in despair because of being buried [under ruins], then will the ones who yell be in the *list* of those who suffer punishments or will they be in the *list* of those who are praiseworthy? (Students**:** In the list of those who suffer punishments.) How many will they be? *Arey*, how many will there be in the *list* of those who suffer punishments? Except the eight [deities] everyone will be there. So, who is the one who makes [others] cry the most? (Someone said: Ravan.) Who is he? (Someone said: It is the father himself.) Then? Ram himself becomes Ravan but the *time* [for it] is fixed. Who makes [others] cry for a long time and who becomes Ravan, the one who makes [others] cry in the last period? And is it necessary to become so or not? (Someone said: It is necessary to become so.) Otherwise, the destruction of the world won't take place. And if the destruction of the world doesn't take place, this world of five elements with [the people having] inert intellect won't become pure (*saatvik*). Unless the five elements of nature are made pure, joy giving, the new world won't be said to have been established.

जिज्ञासुः पर दो बातें हैं ना बाबा। स्वार्थ के लिए रूलाना और कल्याण के लिए रूलाना।
बाबाः हाँ, तो भाव देखा जाता है ना हर कर्म में।
जिज्ञासुः पर रावण को उस रिती दिखाया जाता है स्वार्थ के लिए रूलाया। स्वार्थ के लिए रूलाने वाला रावण कहा जाता है।
बाबाः स्वार्थ के लिए रूलाने वाला रावण कहा जाता है। हाँ ठीक है।
जिज्ञासुः तो यहाँ तो कल्याण के लिए रूलाया दिखाया जाता है।
बाबाः किसका कल्याण?
जिज्ञासुः विनाश के समय।
बाबाः किसका कल्याण?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः आत्माओं का कल्याण।
बाबाः आत्माओं का कल्याण? वो आत्मिक स्टेज वाले नहीं हैं नौ।
जिज्ञासुः नौ नहीं बाबा।
बाबाः दस, जो भी दस हैं वो आत्मिक स्टेज वाले नहीं हैं?
जिज्ञासुः आत्मिक स्टेज में हैं।
बाबाः है तो उनके कल्याण के लिए है। बाकी सब देहअभिमानी हैं।
जिज्ञासुः इसीलिए रावण की बात वहाँ लागू नहीं होती।
बाबाः क्यों नहीं लागू होती है? एक नास्तिक और दूसरा वेल्यूलेस और बाकी जो रहे सात वो भी तो वेल्यूबल हैं ना नम्बरवार। कितने हो गए? टोटल कितने हो गए? नौ हुए। उनमें एक तो है ही है। तो रावण के दस सिर हुए कि नहीं हुए? जब जो दुनियां का बीज है वो ही राम सो रावण बन गया तो फिर ऐसा कोई बचेगा जो रूलाने वालों की लिस्ट में न हों। सारे ही हो गए। हाँ, टाईम की बात है। कोई लम्बे समय तक ड्युरेशन के लिए रूलाने वाले होते हैं और कोई तो सिर्फ अंतिम क्षणों के लिए रूलाने वाला साबित होता है। और शिवबाप उसमें से अलग है उसको नहीं कहा जा सकता रूलाने वाला। वो न राम की लिस्ट में है न रावण की लिस्ट में है। इसीलिए गॉड इज़ वन कहा जाता है। एक ही सत्य है आत्मा, सुप्रीम सोल और बाकी झूठे भी हो जाते हैं। और सच्चे भी बनकर रहते हैं कोई लम्बे ते लम्बे समय तक सच्चे बनकर रहते हैं जन्म–जन्मांतर और आखरिन माया उनको हराए देती है। शूटिंग पिरियड में भी ऐसे ही होता है। ऐसे कोई अहंकार न धारण करे कि हमको 84 जन्मों में और 84 जन्मों की शूटिंग में माया हराए नहीं सकती, हम माया के प्रभाव में आ नहीं सकते। कोई ऐसा अहंकार धारण कर सकता है? नहीं कर सकता।

Student: Baba, but there are two purposes, aren't there? One is to make [others] cry for selfishness and the other is to make [people] cry to bring their welfare.
Baba: Yes, in every task, the intention is observed.
Student: But Ravan is shown he makes [others] cry out of selfishness. The one who makes [others] cry out of selfishness is called Ravan.
Baba: The one who makes [others] cry is called Ravan. Yes, it is all right.
Student: Here, is said he makes [others] cry with purpose of bringing their welfare.
Baba: Whose welfare?
Student: In the period of destruction.
Baba: Whose welfare?
Student: The welfare of souls.
Baba: The welfare of souls? Aren't those nine [heads] the ones with a soul conscious stage?
Student: Not nine, Baba.
Baba: Ten; aren't all the ten [heads] the ones with soul conscious stage?
Student: They are in the soul conscious stage.
Baba: They are; so he is for their welfare. All the rest are body conscious.
Student: This is the reason the topic of Ravan is not applicable there.
Baba: Why isn't it applicable? One is atheist and the other is *valueless* and the remaining seven too, are more or less valuable (according to their rank), aren't they? How many are there? How many are there in *total*? There are nine. Among them, one is certainly there. So, are they the ten heads of Ravan or not? When the one who is the seed of the world himself becomes Ravan from Ram, then is there anyone who is not included in the *list* of those who make [others] cry? All are included in it. Yes, it is about the *time*. Some are proved to be the ones who make [others] cry for a long *duration* and someone is proved to be the one who make [others] cry for the last moments. And the Father Shiva is is not among them, He won't be called the one who makes [others] cry. He is neither in the *list* of Ram nor in the *list* of

Ravan. This is why it is said *God is One*. Only one Soul, the *Supreme Soul* is true, the others also become liars. And [some] remain true as well. Some remain true for a very long time for birth after births and ultimately Maya overcomes them. It happens the same in the *shooting period* as well. No one should become egotistic [thinking:] Maya can't defeat me in the 84 births and in the *shooting* of 84 births; I can't come under the influence of Maya. Can anyone become egotistic like this? No one can do this.

समयः 01.08.49–01.10.57
जिज्ञासुः बाबा, जब बाबा शाहजहां बनता है तो उनकी मुमताज अष्टदेवों में तीसरा मणका बनेगा क्या?
बाबाः मम माना मेरा और ताज माना जिम्मेवारी का ताज। कौनसी जिम्मेवारी का ताज? (किसीने कहाः यज्ञ की जिम्मेवारी।) अरे, यज्ञ तो ज्ञान यज्ञ को कहा जाता है। ज्ञान यज्ञ की जिम्मेवारी धारण करने वाली तो रूद्रमाला ही है। वो कौनसे जिम्मेवारी का ताज है जो रूद्रमाला धारण नहीं कर पाती? पवित्रता की जिम्मेवारी। वो प्योरिटी की जिम्मेवारी धारण करने वाला जो ताज है वो कौन है? (किसीने कहा– लक्ष्मी।) बस। वो ही मेरे पवित्रता की जिम्मेवारी का ताज धारण करने वाला आत्मा है। जो महल के रूप में गाई हुई है। मुमताज महल। महल माना किला। किला माना संगठन। माना 16000 का ऐसा संगठन होता है जिस संगठन के ताज को धारण करने वाली है। जैसे गोवर्धन पहाड़ भी दिखाया गया है।
जिज्ञासुः अभी शुटिंग पिरियड में तो अष्टदेवों में तीसरे मणके पर इस्लाम धर्म का छिलका चढ़ा हुआ है आखरी जन्म का।
बाबाः वो एक जन्म का चढ़ा हुआ है या जन्म–जन्मांतर का चढ़ा हुआ है?
जिज्ञासुः वो ही एक जन्म का ही चढ़ा हुआ है।
बाबाः तो एक जन्म का नहीं चढ़ेगा तो फिर पतित कैसे बनेंगे? और जो पतित नहीं बनेंगे तो पावन कैसे बनेंगे? बनेंगे? बनेंगे?
जिज्ञासुः हाँ जी।
बाबाः बिना पतित बने पावन बन जायेंगे?
जिज्ञासुः बिना पतित बने पावन नहीं बन सकते।
बाबाः हाँ, लास्ट जन्म में थोड़े समय के लिए पतित बनना ज़रूरी है। रात नहीं होगी तो दिन का कोई मुल्य नहीं रहेगा।

Time: 01.08.49-01.10.57
Student: Baba, when Baba becomes Shahjahan (a Mughal emperor), will the third bead among the eight deities become Mumtaz (his wife)?
Baba: *Mam* means my and *taaj* means the crown of responsibility. The crown of which responsibility? (Someone said: The responsibility of *yagya*.) *Arey*, the *yagya* of knowledge is called *yagya*. It is the *Rudramaalaa*[8] who takes the responsibility of the *yagya*. The crown of which responsibility is it that the *Rudramaalaa* is unable to wear? The responsibility of purity. Who is that crown, who wears the responsibility of *purity*? (Someone said: Lakshmi.) That's it. She is the very soul who wears the crown of my responsibility of purity. The one who is famous in the form of *mahal* (palace). Mumtaz mahal. *Mahal* means fort. Fort means gathering. She is the one who wears the crown of the gathering, the gathering of the 16000 that is formed. For example, the Govardhan mountain[9] is also shown.
Student: Now in the shooting period the third bead among the eight deities has the husk of Islam on it, in its last birth.

[8] The rosary of Rudra
[9] A mountain near the town Vrindavan believed to have been lifted by Krishna to shelter the people of Braj and their herds from the rains

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Does it have [the husk] of one birth or of many births?
Student: Just of one birth.
Baba: If it is not covered with the husk [of Islam] in one birth, how will it become impure? How will the one who doesn't become impure, become pure? Will he become [pure]? Will he become?
Student: Yes.
Baba: Will someone become pure without becoming impure?
Student: No one can become pure without becoming impure.
Baba: Yes, it is necessary to become impure in the *last* birth for little time. If there is no night there won't be the value of day.

समयः 01.11.02–01.17.15
जिज्ञासुः बाबा, एक मुरली में कहा है धर्मराज ने दिल्ली को परिस्तान बनाया।
बाबाः वो तो अभी बोल दिया ना।
जिज्ञासुः वो तो भारत माता के लिए कहा।
बाबाः भारत माता के लिए कहा गया?
जिज्ञासुः वो भारत के लिए कहा ये तो दिल्ली बड़ी माँ के लिए कहा है।
बाबाः किसने? ये धर्मराज बड़ी माँ हो गई?
जिज्ञासुः धर्मराज ने दिल्ली को परिस्तान बनाया। तो फिर दिल्ली हुई बड़ी माँ।
बाबाः ठीक है। दिल्ली कब्रस्तान बनेगी। तब तो परिस्तान बनाया जाएगा।
जिज्ञासुः बनाया जाएगा?
बाबाः अरे, तुमने क्या समझा? तुमने धर्मराज किसको समझ लिया?
जिज्ञासुः धर्मराज का (पार्ट) तो ब्रह्मा की सोल ही बजा रही है। पर व्यक्त में तो जगदम्बा है।
बाबाः हाँ, हाँ जो नाम पड़ता है वो शरीरधारी के ऊपर पड़ता है, शरीर के ऊपर पड़ता या आत्मा के ऊपर पड़ता है?
जिज्ञासुः मगर आत्मा के पहचान शरीर से ही होती है।
बाबाः शरीर से ही होती है हम समझ गए ना बात कि दिल्ली ही धर्मराज होना चाहिए तुम्हारे हिसाब से?
जिज्ञासुः मगर वो तो आठ के लिस्ट में आई नहीं उनको भी सज़ा खानी पड़ेगी। तो फिर कैसे खायेंगे?
बाबाः एक होता है डब्बा और एक होती है उसमें काम करने वाली आत्मा। तुम किसको देखने वाले हो?
जिज्ञासुः माना डब्बा के बगैर वो भी कुछ नहीं कर सकता ना।
बाबाः भले ठीक है। एक है डब्बा जो अपने आप नहीं लुड़कता है। कौन लुड़काता है?
जिज्ञासुः जो प्रवेश किया है।
बाबाः हाँ, तो महत्व तुम किसको देने वाले हो। तुम्हारा कॉन्सन्ट्रेशन आत्मा के ऊपर रहता है या डब्बे के ऊपर रहता है? अगर देहअभिमानी होगा तो डब्बे को देखेगा। आत्माभिमानी होगा तो आत्मा को देखेगा। जब तुम धर्मराज कहते हो तो किसको देखते हो?
जिज्ञासुः धर्मराज का पार्ट ब्रह्मा के द्वारा धर्मराज ने बजाया तो...
बाबाः हाँ, ब्रह्मा बाबा ने बजाया तो लेकिन जब बजाया तो उनका शरीर कौनसा होता है?
जिज्ञासुः जगदम्बा का ही हुआ।
बाबाः जगदम्बा का जो शरीर है वो तो धर्मराजनी कहें फिर उसे। धर्मरानी कहें। धर्मराजा क्यों कहा गया? ज़रूर कोई ऐसे शरीर के द्वारा पार्ट बजाता है जो धर्मराज कहा जाता है। राज्य करने वाला मुखिया कहा जाता है। इंद्रप्रस्थ का राजा। सारे विश्व का कंट्रोलर। जो यज्ञ किया; अश्वमेध अविनाशी रूद्र ज्ञान यज्ञ उसका मुखिया कोई साकार में चाहिए कि नहीं चाहिए?
जिज्ञासुः चाहिए।

बाबाः कौन है? प्रैक्टिकल में कौन है मुखिया? अरे, कोई पुरूष तन है या नारी चोला है?
जिज्ञासुः पुरूष तन।
बाबाः पुरूष तन है। यज्ञ के आदि में भी ज्ञान के बीज का फाउन्डेशन डाला और उस ज्ञान यज्ञ का समापन भी उसी के द्वारा होता है। स्थापना हुई है तो अंतिम समारोह किसके द्वारा होगा? धर्मराज युधिष्ठिर के द्वारा ही होगा। द्वारा माना मिडिया।

Time: 01.11.02- 01.17.15
Student: Baba, it is said in a murli: Dharmaraj transformed Delhi into *Paristaan* (the land of fairies).
Baba: It was said just now, wasn't it?
Student: It was said for Bharat mata (mother India).
Baba: It was said for Bharat mata?
Student: That was said for Bharat, here Delhi is said for the senior mother.
Baba: Who? Is Dharmaraj (the Chief Justice, the king of religion) the senior mother?
Student: Dharmaraj transformed Delhi into the land of fairies [that] Delhi is the senior mother.
Baba: All right. Delhi will become graveyard only they will it be made the land of fairies.
Student: Will it be made?
Baba: *Arey*, what did you think? Whom did you consider to be Dharmaraj?
Student: The soul of Brahma itself is playing [the part] of Dharmaraj. But in the corporeal form it is Jagadamba.
Baba: Yes, yes. Is the bodily being, the body given a name or is the soul given [the name]?
Student: But the soul is recognized only through the body.
Baba: It is recognized only through the body. I understood what you wish to say, from your point of view Delhi itself should be Dharmaraj, shouldn't it? ☺
Student: But she is not in the list of eight [deities], she two will have to suffer punishments. How will she suffer [punishment]?
Baba: One is the box and the other is the soul that works in it. Whom do you see?
Student: It means [the soul] can't do anything without the box, can it?
Baba: It is correct. One is the box which doesn't tumbles on it own. Who makes it tumble ?
Student: The one who has entered.
Baba: Yes, so, what do you give importance? Does your [intellect] remain focused on the soul or the box? If you are body conscious, you will see the box. If you are soul conscious, you will see soul. When you say Dharmaraj, whom do you see?
Student: If Brahma Baba plays the part of Dharmaraj through the body of Jagadamba…
Baba: Yes, Brahma Baba did play [that part] but when he played that part which body did he have?
Student: It was of Jagadamba.
Baba: [If] it is the body of Jagadamba, she should be called Dharmrajani, Dharmrani (the queen of religion). Why was it said Dharmraja? He definitely plays the role through such a body that he is called Dharmaraj. He is called the head, the one who rules; the king of Indraprasth, the *controller* of the entire world. The *yagya* that was organized; the *Ashwamedh Avinaashi Rudra gyaan yagya*[10] should its head be in a corporeal form or not?
Student: There should be.
Baba: Who is he? Who is the head in practice? *Arey*, is it a male body or a female body?
Student: A male body.

[10] Rudra's imperishable sacrificial fire of knowledge

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: It is the male body. The *foundation* of the seed of knowledge was laid in the beginning of the *yagya* as well and that *yagya* of knowledge is also completed only through him. If the establishment is done, who will perform its final ceremony? It will happen only through Dharmaraj Yudhisthir. Through (*dwaaraa*) means *media*.

जिज्ञासुः बाबा, तो फिर झांसी की रानी का पार्ट ब्रह्मा बाबा का ही हुआ ना।
बाबाः जो अंग्रेजों को बड़े ते बड़ा झांसा देता है। उसका नाम क्या हुआ? झांसी। ब्रह्मा बाबा ने अपने जीवन में रहते–2 अंग्रेजों को झांसा दिया?
जिज्ञासुः नहीं दिया।
बाबाः यहाँ मिलता है झांसा। झांसा माना धोखा। तुमको जो राजाई मिलनी है वो किससे मिलनी है? अरे, तुमको राजाई किससे मिलेगी?
जिज्ञासुः बाप से।
बाबाः प्रैक्टिकल में कौन जो तुम्हारे लिए सारी राजाई छोड़ जाते हैं? अंग्रेज लोग। हिंदुस्तानियों में इतनी ताकत है जो इतना बड़ा रेलों का जाल बिछा पाते हिंदुस्तान में? सारा तैयार करके गए हैं तब हिंदुस्तान आगे बढ़ रहा है। इसीलिए अव्यक्त वाणी में भी बोला है रावण इस समय बीस नाखुनों का जोर लगाकर तुम्हारे लिए राजधानी तैयार कर रहा है। ये वर्ल्ड रिन्युवल ट्रस्ट अभी रावण के हाथ में है या राम के हाथ में है? राम के हाथ में? (किसीने कहा– रावण के हाथ में है।) रावण के हाथ में है। जितनी भी बड़ी–2, ऊँची–2 बिल्डिंगें तैयार हुई हैं अन्डरग्राउन्ड कॉन्करीट के मकान उनमें ब्रह्मा कुमारी विद्यालय है नाम या प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी विद्यालय नाम है? ब्रह्मा कुमारी विद्यालय नाम है। क्या साबित करता है? वो बीस नाखुनों से तैयार करने वाला रावण है या राम है? रावण है। राम को तो अभी भी तीन पैर पृथ्वी का ठीकाना नहीं मिल रहा है। जो दो–चार महिने आराम से रह सके। दो–चार दिन भी सही। पांडवों को तीन पैर पृथ्वी के नहीं मिले। तो कहाँ पांडव और कहाँ रावण।

Student: Baba, then the part of the queen of Jhansi[11] is of Brahma Baba himself, isn't it?
Baba: The one who deceives (*jhaansaa dena*) the British the most; what is her name? Jhansi. Did Brahma Baba deceive the British in his life?
Student: He didn't.
Baba: It is here that they are deceived. *Jhaansaa* means deception. From whom are you going to receive the kingship? *Arey*, from whom will you receive the kingship?
Student: From the Father.
Baba: Who is it in practice, the ones who leave the entire kingship for you and depart? The Bristish. Do the Indians have so much power that they could have spread such a big mesh of the rail [tracks] in India? They have gone after making everything ready, only then is India progressing. This is why, it is said in the avyakt vani as well: Ravan is preparing the capital for you with the strength of twenty nails at this time. Is the World Renewal Trust in the hands of Ravan or Ram now? Is it in the hands of Ram? (Someone said: It is in the hands of Ravan.) It is in the hands of Ravan. Do all the big, high buildings and *underground concrete* buildings that are built have the name Brahma Kumari Vidyalay or the name Prajapita Brahma Kumari Vidyalay? They have the name Brahma Kumari Vidyalay. What does it prove? Is the one who is preparing [the capital] with the twenty nails Ravan or Ram? He is Ravan. Ram is not finding three feet of land yet, so that he can stay [at a place] for two-four months comfortably or even for two-four days. Pandavas didn't get three feet of land. There is a vast difference between the Pandavas and Ravan!

[11] An Indian freedom fighter; the queen of Jhansi (a place in Uttar Pradesh)

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 01.17.20–01.18.51
जिज्ञासुः बाबा, बलि चक्रवर्ती के बारे में बोला गया है वामन अवतार ने एक पैर उनके सर पर रखा। फिर वो पॉइन्ट यहाँ बीजरूप दुनियां में कैसे लागू होता है?
बाबाः जो छोटा बनके रहे। तीन पैर पृथ्वी का गायन किस लिए है? तीन पैर पृथ्वी का गायन किसके लिए है? एक तो पांडवों के लिए है और दूसरा राजा बलि के लिए है। बलि चढ़ना माना क्या होता है? बलिदान होना, सम्पूर्ण समर्पित होना। तो ज़रूर ऐसा कोई पार्ट है जो तीन पैर पृथ्वी के अलावा और कुछ नहीं चाहता। क्या? एक कमरा भी नहीं चाहिए। चाहिए के नहीं। रेल की जो सीट होती है स्लिपर सीट या स्लिपर बस वो कितनी जगह की होती है? साढ़े तीन पैर से ज्यादा तो नहीं होती है। तो अभी तक राजा बलि का ही अर्थ नहीं समझ पाए।

Time: 01.17.20-01.18.51
Student: Baba, it is said about king Bali that *vaaman avtaar*[12] kept his foot on him. How is that point applicable here, in the seed form world?
Baba: The who remains small. Why is it famous about three feet of land? For whom is the saying of three feet of land famous? One is for the Pandavas and the other is for king Bali. What does *bali carhnaa* (to sacrifice oneself) mean? To sacrifice oneself, to surrender oneself completely. So, definitely there is [someone who plays] such a *part* who wants nothing except three feet of land. What? He doesn't want even a room. Does he want or not? How long is the *seat*, the *sleeper seat* in a train or in a *sleeper bus*? It is not is longer than three and a half feet. So, didn't you understand even the meaning of king Bali yet?

समयः 01.18.53–01.20.34
जिज्ञासुः बाबा, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी भी नास्तिकवाद को फैलाती है। वो फिर भारत को कैसे सपोर्ट करेगी? भारत तो आस्तिक वादी है।
बाबाः कम्युनिस्ट पार्टी के दो रूप हैं। एक है मार्कस्वादी और एक है भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी। दो रूप हो गए। जैसे हर धर्म में दो छेड़े हो गए। देवता धर्म में भी दो छेड़े हो गए। इस्लाम धर्म में मुख्य दो छेड़े हो गए। मुसलमानों में भी दो छेड़े हो गए। क्रिश्चियन्स् में भी दो छेड़े हो गए। ऐसे ही नास्तिक धर्म में भी दो छेड़े हो गए। अब आप क्या पूछ रहे हैं?
जिज्ञासुः आध्यात्मिकवादता के लिए सहयोग करेगी क्या?
बाबाः हाँ, तो यहाँ भी जैसे ब्राह्मणों की दुनियाँ में दो पार्टियाँ हो गईं। एक है बेसिक पार्टी और एक है एडवान्स पार्टी। ज्यादा ज्ञान कहाँ है? एडवान्स पार्टी में ज्यादा ज्ञान है। वो परमात्मा की जो प्रॉपर्टी लेने के हकदार हैं वो कौन बनते हैं? एडवान्स पार्टी वाले बनते हैं। ऐसे ही है नास्तिकों में भी दो ग्रुप हो गए। एक है भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और एक है मार्क्सवादी पार्टी। जैसे सृष्टि के दो छेड़े हो जाते हैं। एक देवता और दूसरे असुर।

Time: 01.18.53 - 01.02.34
Student: Baba, the Communist Party India also spreads atheism. How will it support Bharat (India)? Bharat is theist.
Baba: There are two forms of the Communist Party. One is Marxism and the other is the Communist Party India. There are two forms, just as two branches are formed in every religion. There are two branches of the Deity Religion. There are two main branches of Islam. There are two branches formed among the Muslims too. There are two branches formed among the Christians too. Similarly there are two branches formed in the atheist religion too. What are you asking?

[12] The dwarf incarnation of Vishnu

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Will it give support to spirituality?
Baba: Yes, so, just as there are two parties formed in the Brahmin world. One is the *basic party* and the other is the *advance party*. Who has more knowledge? There is more knowledge in the *advance party*. Who become entitled to take the *property* of the Supreme Soul? The [members of] the *advance party* become that. Similarly there are two groups even in atheism. One is the Communist Party India and the other is the Marxism Party. For example, there are two branches of the world: one is [the branch of] the deities and the other is [the branch of] the demons.

समयः 01.20.38–01.21.53
जिज्ञासुः बाबा, स्वतंत्रता के संग्राम में भगतसिंह ने भारत माता को छुड़ाने के लिए भगतसिंह ने हँसते हुए फाँसी लगा ली। यहाँ बाबा तो कहते हैं माँ जो है वो शक्ति है तुमको तो बाप का प्रत्यक्ष करना है। तो फिर ये भगतसिंह वाली बलिहार व्यर्थ गया है या...
बाबाः भगतसिंह का बलिदान व्यर्थ हुआ या समर्थ हुआ? तुम्हें नहीं पता चला? अभी तक पता ही नहीं चला?
जिज्ञासुः नहीं बाप तो कहता है तुमको बाप को प्रत्यक्ष करना है माँ तो शक्ति है खुदबखुद प्रत्यक्ष होगी।
बाबाः हाँ, हाँ तो प्रत्यक्ष करने वाले ने अगर ये नहीं जाना कि जिसको हम स्वतंत्र कराना चाहते हैं वो सिर्फ माता का रूप है या साथ में पिता भी है? अगर उसकी स्मृति नहीं रही तो सफलता होगी या असफलता होगी?
जिज्ञासुः स्मृति रहेगी तो सफलता होगी।
बाबाः सफलता कहाँ हुई। बलिदान बेकार गया ना। ऐसे ही यहाँ भी होता है।

Time: 01.20.38 - 01.21.53
Student: Baba, in the struggle of independence Bhagat Singh had himself hung to death happily to free Bharat Mata. Here Baba says: The mother is the *shakti*[13], you have to reveal the Father. So did the sacrifice of Bhagat Singh go to waste or…
Baba: Did the sacrifice of Bhagat Singh go to waste or did it become fruitful? Didn't you come to know [this]? Didn't you come to know it yet? ☺
Student: No, the Father says, you have to reveal the Father, the mother is the *shakti* she will be revealed on her own.
Baba: Yes, yes. So, if the one who revealed didn't come to know that the one whom we wish to make free, is she only the form of the mother or is there the Father along with her? If this is not in his intellect, will it be successful or will it be unsuccessful?
Student: If he is aware of it, he will succeed.
Baba: He didn't succeed. The sacrifice went to waste, didn't it? It happens the same here as well. (Concluded.)

[13] Consort of Shiva